Your New Life - Hindi

आपका नया जीवन

इन्टरनेशनल कॉरेस्पॉन्डेन्स इन्स्टीट्यूट

Your New Life - Hindi

आप का नया जीवन

आप का नया जीवन

एल॰ जीटर वॉकर

आई॰सी॰आई इन्टरनेशनल आफिस के कार्यकर्त्ताओं
के सहयोग से विकसित

इन्टरनेशनल कारेस्पोन्टेन्स इन्स्टीट्यूट
पोस्ट बाक्स नं॰ 303
लखनऊ-226001

© 1987 सर्वाधिकार सुरक्षित
इन्टरनेशनल कारिस्पॉन्डेन्स इन्स्टीट्यूट
ब्रुसेल्स, बेल्जियम

धर्मशास्त्र पुराना नियम के उद्धारण किंग जेम्स वरजन।
धर्मशास्त्र नया नियम के उद्धारण टुडेज इंगलिश वरजन,
जिसे गुडन्यूज फार मॉडरन मैन भी कहते हैं।

विषय सूची

पाठ		पृष्ठ
	सर्वप्रथम आइए कुछ बातचीत करें	7
1.	आप एक नया जीवन प्रारम्भ कर चुके हैं	11
2.	आप चलना सीख रहे हैं	25
3.	आपका पिता आपके साथ बात कर रहा है	41
4.	क्या आप आगे बढ़ना चाहते हैं ?	57
5.	नया जीवन — नई क्रियायें	69
6.	आपके नए सिद्धान्त	88
7.	आपके पास एक सहायक है	97
8.	आपका जीवन एक ज्योति है	109
9.	एक प्रसन्न घर कैसे हो	126
10.	आप की नई स्वतन्त्रता	140

सर्वप्रथम आइए कुछ बातचीत करें।

आप के अध्ययन प्रारम्भ करने से पूर्व आइए कुछ बातचीत करें। यह एक विशेष प्रकार की पुस्तक है जो कि आप को अध्ययन करने में सहायक होगी चाहे आप जहां कहीं भी हों। यह पुस्तक आपकी शिक्षक है। यह पुस्तक आप को कुछ बतलाती है और तब उसी से सम्बन्धित आपसे प्रश्न पूछती है। यह आप को प्रत्येक अध्याय में पग-पग पर मार्ग दर्शन करती है।

यह एक जेब के आकार की पुस्तक है। आप इसे जहां चाहें ले जा सकते हैं और तब पांच या दस क्षण मिलने पर भी जहां चाहे अध्ययन कर सकते हैं। आपको उस समय तक प्रतीक्षा करने की आवश्यकता नहीं है कि समय मिले और आप उसके पूरे पाठ करें। जो कुछ भी, जहां भी और जब भी आप कुछ कर सकते हैं कीजिये।

यह पुस्तक अभ्यासिक दृष्टिकोण से लिखी गई है। यदि यह आपको उधार दी गई है, अथवा इसका प्रयोग फिर होना है, तब इसके उत्तर एक पुस्तिका में लिखिए।

आपका का काम

ठीक उत्तर अथवा वाक्य का ठीक अन्त हो का चु
कीजिए और उसके आगे √ का चिन्ह लगाईये।
उदाहरण :

1. यह किस प्रकार की पुस्तक है?
√
...........अ) विशेष
...........ब) साधारण

2. यह स्व शिक्षा पुस्तक आपकी सहायता के लिए है
...........अ) कक्षा को पढ़ाने के लिए
...........ब) आप जहां कहीं हो अध्ययन करने के लिए।

यह पुस्तक आप के शिक्षक के रूप में बतलाती है कि क्या आपके उत्तर ठीक हैं या नहीं। जो शब्द आप को ऊपर चुनने चाहिए थे। 1. अ) विशेष 2. ब) जहां भी हों अध्ययन करें।

प्रश्न पाठ के अन्त की अपेक्षा उसमें ही पाए जा सकते हैं। प्रश्न और आपके उत्तर।

- आपकी विचारधारा नहीं भटकेगी।
- आपने अभी जो कुछ पढ़ा है, उसको समझने की जांच हो जाएगी।

- पाठ के मुख्य उद्धेश्यों की स्मृति आपके मस्तिष्क में अंकित हो जाएगी।

आपका काम खण्ड के नीचे आप उत्तरों को पायेंगे। आप उन्हें उस समय तक न देखें जब तक कि आप अपने उत्तर न लिख चुके हों। रिक्त स्थानों की पूति करते समय आप उन्हें कागज़ के टुकड़े से ढ़ांप के रखें, तब अपने उत्तरों को पुस्तकों में ठीक उत्तरों के साथ मिलाइये (जांचिये)।

आपका का काम

इस वाक्य के ठीक अन्त का चुनाव कीजिए और उसके आगे √ का चिन्ह लगाइये।

3. यह प्रश्न और उत्तर जांच करते हैं आपकी

............अ) जो कुछ आपने अभी-अभी पढ़ा है उसका आपको समझ में आना।

............ब) विषय का साधारण ज्ञान।

उत्तर : 3. अ) जो कुछ आपने अभी अभी पढ़ा है उसका आपको समझ में आना।

कभी-कभी पुस्तक आपको प्रश्नों के उत्तर देने के साथ-साथ कुछ करने को भी कहती है। यह अभ्यास आपको पाठ भली भांति स्मरण करने में सहायतार्थ है, इसलिए इन्हें अवश्य ही कीजिए।

यह पुस्तक आप और आप के मसीही जीवन से सम्बन्धित है। यह आपके लिए एक अनोखी सहायता और आशीष का कारण हो सकती है। यह पुस्तक हजारों विद्धार्थियों को सहायता प्रदान कर चुकी है। परन्तु जो कुछ आप इसमें सीखते हैं वह उसी समय आपको लाभकारी होगा जब आप उसे प्रयोग में लायेंगे। इसलिये जो कुछ भी आपने सीखा है उसे तुरन्त प्रयोग में लाइये।

यदि आप प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए अध्ययन कर रहे हैं, आपको एक अलग पुस्तिका "छात्र रिपोर्ट प्रश्न पुस्तिका" 'आपका नया जीवन' प्राप्त हुआ होगा। इस पुस्तिका में दो भाग हैं। आपका स्टेडी गाइड बताएगा कि आप प्रत्येक अनुच्छेद की पूर्ति कब करें।

नई दिल्ली आई.सी.आई. आफिस में भेजने के लिए अपने छात्र रिपोर्ट में दिए गए निर्देशों का पालन करें। अध्ययन पुस्तिका के दूसरे पृष्ठ पर या अपना पता छात्र रिपोर्ट के आरम्भ में साफ-साफ अक्षरों में लिखा होना चाहिए। जब आप इसे करें तो आपको एक आकर्षक प्रमाण पत्र प्राप्त होगा।

प्रार्थना

हे परमेश्वर आप का धन्यवाद हो इन पाठों के लिए जो मेरे नये जीवन के बारे में हैं। कृपया इन्हें सीखने में मेरी सहायता करें। मुझे एक बेहतर मसीही व्यक्ति बनाने में इनका प्रयोग करें। यीशु, के नाम में, आमीन।